www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 216 | जौनपुर शुक्रवार, 27 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

27 मार्च से खुलेगा 'आई-खेदुत' पोर्टल, किसानों को मिलेगा ऑनलाइन लाभ

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात सरकार 27 मार्च से 26 अप्रैल तक श्आई–खेदुतश पोर्टल खोलेगी, ताकि 2026–27 वित्तीय वर्ष के लिए कृषि, बागवानी और पशुपालन योजनाओं के तहत 148 घटकों में सहायता चाहने वाले किसानों और पशुपालकों से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जा सकें।कृषि एवं पशुपालन मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि किसान कृषि क्षेत्र के अंतर्गत 42 घटकों, बागवानी के अंतर्गत 94 घटकों और पशुपालन के अंतर्गत 12 घटकों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ष्बजट पारित होने के कुछ ही दिनों बाद कृषि विभाग राज्य का पहला विभाग बन सकता है जो नए साल के लिए पोर्टल खोलेगा। विभाग वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही योजनाओं के लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।ष मंत्री ने कहा कि आवेदनों पर चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ष्आवेदन प्रक्रिया पूरी होने या अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जैसे ही आवेदन प्राप्त और सत्यापित होंगे, पात्र किसानों को तुरंत सब्सिडी और सहायता प्रदान की जाएगी।उन्होंने यह भी बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य लाभों की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है, जिससे किसान आधार कार्ड प्रमाणीकरण का उपयोग करके स्वयं या ग्राम पंचायत के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

धर्म एक संविधान है, उसमें दखलंदाजी बिल्कुल ठीक नहीं है : अबू आजमी

मुंबई, (एजेंसी)। उत्तराखंड के बाद गुजरात दूसरा राज्य बन गया है, जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू किया गया है। यूसीसी को लेकर महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता अबू आजमी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि हम लोग इस कानून को बिल्कुल पसंद नहीं करेंगे। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान सपा नेता अबू आजमी ने कहा कि क्रिमिनल लॉ सबके लिए बराबर है। चाहे किसी भी धर्म के हों। लेकिन, कुछ ऐसी चीजें हैं, जो लोग अपने धर्म के मुताबिक करते हैं। साउथ इंडिया में शादी करने का अपना तरीका है, मुसलमानों में भी आप देख सकते हैं, उनका तरीका अलग है।उन्होंने कहा कि कुरान शरीफ के मुताबिक मुसलमान अपनी प्रॉपर्टी का बंटवारा करते हैं। अब उसके अंदर इंटरफेयर करना ठीक नहीं है। मैं समझता हूं कि यह मजहब में दखलअंदाजी है। सरकार बहुमत के बल पर, अहंकार के बल पर, जो चाहे बिल ला दे, लेकिन मैं समझता हूं कि यह एक नाइंसाफी होगी। संविधान में कहीं न कहीं बदलाव होता रहता है, कानून बदलता रहता है, लेकिन धर्म का जो एक संविधान है, उसमें इंटरफेयर करना मैं समझता हूं कि बिल्कुल ठीक नहीं है। अबू आजमी ने कहा कि कानून बन गया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से हर परिस्थिति का सामना करने की प्रेरणा मिलती है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान राम की कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "देशभर के मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ–साथ संपूर्ण मानवता के पथ–प्रदर्शक बने रहेंगे। मेरी कामना है कि भगवान राम की कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त हो।" रामनवमी के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या की यात्रा से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने संस्कृत श्लोक के साथ उनके अर्थ भी समझाए। पीएम मोदी ने कहा, "आज रामनवमी का पवित्र पर्व है। राम यानी– सत्य और पराक्रम का संगम, 'दिव्यगुणैः शक्रसमो रामः सत्यपराक्रमः।' राम यानी– धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, 'रामः सत्पुरुषो लोके सत्यः सत्यपरायणः।' राम यानी– जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, प्रजा सुखत्वे चंद्रस्य।" उन्होंने कहा कि राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, राम एक मूल्य, एक मर्यादा और एक दिशा हैं। पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा, "प्रभु राम मानवता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे मानवता के उच्च मूल्यों और आदर्शों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। मर्यादाओं को रेखांकित करते हैं। वे विवेक, त्याग और तपस्या की एक मिसाल हमारे बीच छोड़कर गए हैं।" रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी रामनवमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "प्रभु श्रीराम की कृपा से सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और सुख का वास हो। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और लोक कल्याण की सर्वोच्च प्रेरणा है।

2030 तक 5,000 टन होगी दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की घरेलू उत्पादन क्षमता : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि भारत दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुम्बकों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में तेजी ला रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक उत्पादन क्षमता को 5,000 टन तक पहुंचाना है। प्रश्नकाल के दौरान जितेंद्र सिंह ने बताया कि वर्तमान में देश में दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुम्बकों की मांग लगभग 4,000 टन है, जो 2030 तक बढ़कर करीब 8,000 टन होने का अनुमान है। यह बढ़ती मांग घरेलू उत्पादन क्षमता के विस्तार की आवश्यकता को दर्शाती है। सरकार ने नियोडिमियम–आयरन–बोरॉन स्थायी चुम्बकों की प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। इसके अलावा विशाखापत्तनम में समैरियम–कोबाल्ट चुम्बक संयंत्र 500 टन प्रति वर्ष की प्रारंभिक क्षमता के साथ चालू किया गया है, जिसे आगे बढ़ाकर 2,000 टन और फिर 2030 तक 5,000 टन करने का लक्ष्य रखा गया है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार विभिन्न मंत्रालयों के समन्वय से महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विकास को गति दे रही है। राजस्थान के देगाना क्षेत्र में लिथियम भंडार का प्रारंभिक सर्वेक्षण जारी है, जबकि जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लिथियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्व इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और एआई जैसी उभरती तकनीकों को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

सागर का वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व होगा चीतों का नया ठिकाना

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों का नया ठिकाना बनेगा। इस तरह राज्य का यह तीन स्थान होगा जहां चीतों का पुनर्स्थापना होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने जन्मदिवस के पावन अवसर पर प्रदेश के वन्यजीव प्रेमियों और बुंदेलखंड वासियों को एक ऐतिहासिक उपहार दिया है। मुख्यमंत्री ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सॉफ्ट रिलीज बोमा का विधि–विधान से भूमि पूजन किया। कूनो नेशनल पार्क में चीता प्रोजेक्ट की सफलता के बाद अब गांधी सागर अभ्यारण में चीतों का पुनर्स्थापना हुआ और अब वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को चीतों के घर के रूप में विकसित किया जा रहा है।वन्य प्राणी विशेषज्ञों के मुताबिक, सॉफ्ट रिलीज बोमा तकनीक के तहत चीतों को नए परिवेश में ढालने के लिए एक बड़े क्षेत्र में विशेष बाड़े (बोमा) तैयार किए जाते हैं, जहां उन्हें शुरुआती निगरानी में रखा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह परियोजना न केवल वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देगी, बल्कि बुंदेलखंड में इको–टूरिज्म और रोजगार के नए द्वार भी खोलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व का घनत्व और यहां के घास के मैदान चीतों के लिए बेहद अनुकूल हैं।मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि कूनो के बाद अब वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों की अठखेलियों का नया केंद्र बनेगा।

किसी की जमीन दबंग कब्जा कर रहे, तो करें सख्त कार्रवाई : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। समस्या से जुड़ी शिकायत को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार आपकी हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। गरीबों की संपत्ति पर गरीबों का ही कब्जा सुनिश्चित होना चाहिए। जनता दर्शन में कई पारिवारिक विवाद के मामले भी आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उभयपक्षों के बीच पहले संवाद और बात न बनने पर यथोचित विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं।

प्रभु राम के आदर्शों में निहित है जीवन का मार्गदर्शन, राष्ट्रपति मुर्मु समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव 'रामनवमी' पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन–मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन–मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। आइए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर कार्य करें।" उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव, 'रामनवमी' के इस पावन एवं गौरवशाली अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। धैर्य, त्याग और न्यायप्रियता के प्रतीक भगवान राम का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए न्याय, सत्य और अटूट मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श है। उनके आदर्श हमें सामाजिक समरसता, सदाचार और जनसेवा के मार्ग पर युगों–युगों तक अग्रसर रहने की प्रेरणा देते रहेंगे।" उन्होंने आगे लिखा, "प्रभु श्रीराम की कृपा से अधर्म पर धर्म की विजय हो, समाज से अनाचार, अहंकार और अशांति का सर्वनाश होकर एक बेहतर समाज का निर्माण हो और हमारा राष्ट्र निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे, यही मंगलकामना है।" लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, "भारत की आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक आत्मा के अमिट प्रतीक, लोकमंगल, मर्यादा, करुणा और धर्म के दिव्य आलोक से समूचे राष्ट्र जीवन को आलोकित करने वाले हम सबके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम के पावन अवतरण दिवस श्रीराम नवमी की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

सपा राज में यूपी में भय था, आज देश के विकास का इंजन बना प्रदेश : शिवराज चौहान

गोरखपुर, (संवाददाता)। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सपा के कार्यकाल में यूपी में भय, भ्रष्टाचार का बोलबाला था लेकिन आज यह प्रदेश देश के विकास का इंजन है। कांग्रेस और सपा के नेता निराश और हताश हैं इसलिए वे राष्ट्रहित वाले मुद्दों पर भी विरोध कर रहे हैं और प्रधानमंत्री को घेरने में जुटे हैं। वे लोग आपदा में अवसर तलाशते हैं जिसे जनता बेहतर तरीके से जानती है। केंद्रीय मंत्री बुधवार को केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान के पिता और पूर्व विधायक ओम प्रकाश पासवान की 30वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सत्ता में आने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव दिन में ही सपने देख रहे हैं और कानून व्यवस्था पर टिप्पणी कर रहे हैं, शायद उन्हें अपना जमाना याद आ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोरक्षनगरी की भूमि ज्ञान, भक्ति और कर्म का त्रिवेणी संगम है, जहां भगवान बुद्ध की शांति, संत कबीर की क्रांति और गुरु गोरखनाथ की शक्ति का वास है। उन्होंने कहा कि स्व. ओमप्रकाश पासवान का जीवन सेवा, संघर्ष और समर्पण का उदाहरण था। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सांसद कमलेश पासवान ने कहा कि पिता ने विशेष रूप से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान स्व. ओम प्रकाश पासवान के जीवन पर आधारित पुस्तक और ग्राम्य विकास विभाग की पुस्तिका का विमोचन केंद्रीय मंत्री ने किया। उन्होंने लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र और किट वितरित किया और एक दिवसीय किसान मेला और एवं प्रदर्शनी में लगे स्टॉल को देखा।

घुसपैठियों को छोड़कर राज्य में सभी भाजपा को देंगे वोट : हिमंत सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस को वोट नहीं देगा। बता दें कि असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में असम की स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज लोग अपनी मजबूत संस्कृति और विरासत पर आधारित एक नया असम देख रहे हैं। सरमा के अनुसार, बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर राज्य के सभी लोग भाजपा के साथ हैं। उन्होंने कहा कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस का साथ नहीं देगा। मुख्यमंत्री ने आगे कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कांग्रेस भारत में कभी सरकार नहीं बना सकती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा जब भी कांग्रेस सरकार बनाएगी, तो वह पाकिस्तान या बांग्लादेश में हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि जब कांग्रेस का भारत में कोई भविष्य नहीं है, तो कोई उस पार्टी में क्यों जाना चाहेगा। सरमा की ये टिप्पणियां आगामी चुनावों से पहले राज्य में लगातार बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं। असम में इस बार मुख्य मुकाबला सत्ताधारी एनडीए और कांग्रेस के बीच है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अपनी पारंपरिक सीट जालुकबारी से चुनाव मैदान में उतरेंगे। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे ।

इजराइल से भारत की दोस्ती पर सवाल उठाने वाले राजनीतिक दलों को जयशंकर ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिस बेबाकी और ठोस अंदाज में भारत की विदेश नीति का पक्ष रखा है, उसने यह साफ कर दिया है कि नया भारत अब किसी दबाव में झुकने वाला नहीं, बल्कि अपने हितों के लिए हर मोर्चे पर आक्रामक और संतुलित रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि बुधवार शाम हुई सर्वदलीय बैठक में जयशंकर की ओर से दिया गया बयान भारत की बदलती सामरिक सोच का जबरदस्त प्रदर्शन था। उन्होंने साफ कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों के दौरान महत्वपूर्ण मदद दी है और वह रक्षा प्रौद्योगिकी का भरोसेमंद साझेदार रहा है। यह बयान अपने आप में बहुत बड़ा संकेत है, क्योंकि अब तक इस तरह की बातों को खुले तौर पर स्वीकार करने से बचा जाता रहा था। असल में यह बयान उस समय आया जब विपक्ष की ओर से अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठाए जा रहे थे। जयशंकर ने इन सवालों का जवाब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि तथ्यों से दिया। उन्होंने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और उच्च स्तर की तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। जहां एक ओर इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ भी भारत ने अपने रिश्तों को मजबूती से बनाए रखा है। जयशंकर ने यह स्पष्ट किया कि ईरान ने भारत के प्रति मित्रतापूर्ण रुख दिखाते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को गुजरने की अनुमति दी, जबकि वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। साथ ही पांच और जहाज रास्ते में हैं। देखा जाये तो यह घटनाक्रम केवल कूटनीति नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का खेल है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी है। ऐसे में भारत के जहाजों को वहां से सुरक्षित मार्ग मिलना यह दिखाता है कि भारत ने अपनी रणनीतिक स्थिति कितनी मजबूत कर ली है।

संपादकीय

इच्छा–मृत्यु की प्रक्रिया

इच्छा–मृत्यु की प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए अस्पताल अब अधिकृत हो जाएंगे। मगर प्रक्रिया की शुरुआत तभी होगी, जब मरीज के सर्वोत्तम हित में विस्तृत मेडिकल समीक्षा कर ली गई होगी। इस तरह इच्छा–मृत्यु का एक कायदा तय हो गया है। अचेतावस्था में पड़े व्यक्ति की चेतना वापस आने की आस टूट गई हो, तो मेडिकल उपकरणों से सहारे उस व्यक्ति की सांस चलाते रखने का प्रयास कब तक किया जाना चाहिए? डॉक्टर हथियार डाल चुके हों, उसके बावजूद मानसिक रूप मृत, लेकिन शारीरिक रूप से जीवित ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति किस हद तक वांछित है? ये बड़े बुनियादी किस्म के सवाल हैं, जो कुछ खास मामलों में हर आधुनिक समाज के सामने उपस्थित होते रहे हैं। इन सवालों के साथ धार्मिक, रिवायती और सामाजिक प्रश्न जुड़े रहते हैं। इसे स्वीकार कर लेने के बावजूद कि उनका प्रिय व्यक्ति अब सचेत नहीं हो पाएगा, भावनात्मक लगाव, एवं कई बार श्लोग क्या कहेंगेय जैसे सामाजिक दबाव के कारण परिवार पीड़ित की मृत्यु के इंतजार में बैठा रहता है। यह ऐसी पीड़ा है, जिसमें अचेतावस्था में पड़े व्यक्ति के साथ–साथ पूरा परिवार लंबे समय तक झूलता रहता है। एक ऐसे ही मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण मेडिकल देखरेख में इच्छा–मृत्यु की इजाजत दी है। अशोक राणा अगस्त 2013 में पेइंग गेस्ट आवास की चौथी मंजिल से गिरने के बाद से अचेतावस्था में पड़े हुए हैं। 12 साल से जारी उनकी पीड़ा से आजिज परिवार ने सर्वोच्च न्यायालय से इच्छा–मृत्यु प्रदान करने की अनुमति मांगी। भारत में यह ऐसा पहला मामला नहीं है, मगर इस बार कोर्ट ने ऐसे मामलों के लिए प्रतिमान तय किया है। कहा है कि ऐसी प्रक्रिया पूर्ण चिकित्सकीय योजना के साथ संपन्न की जानी चाहिए। चिकित्सा उपकरणों को हटाने के दौरान मरीज को पीड़ा से बचाना और यह सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा कि इसका अर्थ मरीज से पल्ला झाड़ना ना समझा जाए। अशोक राणा के मामले यह प्रक्रिया नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान में पूरी की जाएगी। इसके बाद ऐसी प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए मरीज की भर्ती के लिए अस्पताल अधिकृत हो जाएंगे। मगर प्रक्रिया की शुरुआत तभी की जा सकेगी, जब मरीज के सर्वोत्तम हित में उसकी विस्तृत मेडिकल समीक्षा कराई जा चुकी होगी। इस तरह इच्छा–मृत्यु का एक कायदा तय हो गया है। बेहतर होगा, संसद इसकी रोशनी में विस्तृत वैधानिक प्रावधान कर दे।

एक और स्वयंभू भगवान के काले कारनामे

धर्म के नाम पर बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर तकलीफ में आए लोगों को फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना। अलग बरसों बरस ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ. अंबेडकर जैसे लोगों ने नए क्रांतिकारी विचारों की अलख जलाई, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह सब इसलिए ही है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी ध्यान देती हैं, जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का कोई भी राजनैतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर नहीं रख पाया है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी लोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन भाजपा के शासनकाल में यह समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अभी भी कई ऐसे प्रकरण हमारे सामने हैं जहां कोई मुख्यमंत्री किसी कथावाचक की आरती उतार रहा है या रही है। या मोदी शासनकाल में हनुमानजी से बात करने का चमत्कार दिखाने वाला कोई बाबा करोड़ों–अरबों में खेलने लगे।सवाल सीधा सा है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधो से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है। चमत्कारी बाबा बताने वाला यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आईं।आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे–जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग–अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है। पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि–संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस–यूक्रेन युद्ध और चीन–ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल–डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल–डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द–गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद–संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध में परमाणु खतरे के प्रति लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं

डॉ. अरुण

संयुक्त राष्ट्र को लगातार हाशिए पर धकेला जा रहा है, फिर भी यह एकमात्र ऐसी वैश्विक संस्था है जिसके पास हस्तक्षेप करने की वैधता है। यह बेहद जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, इजरायल और ईरान को शामिल करते हुए एक बाध्यकारी प्रस्ताव पर सहमति बनाने के लिए तत्काल कदम उठाएय जिसमें सभी पक्ष स्पष्ट रूप से यह वचन दें कि वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अंतिम घोषित तिथि बढ़ा दी है। ऐसा लगता है कि यह फैसला उनके वरीय सैन्य नेतृत्व की सलाह पर, और साथ ही यूरोपीय देशों और खाड़ी सहकारी परिषद् (जीसीसी) के देशों के दबाव में लिया गया है। इन देशों को डर है कि अमेरिका द्वारा जरूरी अवसंरचना पर बमबारी के बदले में, ईरान डीसेलिनेशन और जल शोधन संयंत्रों को निशाना बना सकता है, जिससे इस इलाके में लाखों लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है।ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। यह दावा ध्यान भटकाने की एक तरकीब हो सकती है, हालांकि इस बात की ज़्यादा संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्प की सीमाओं का एहसास होने लगा है। अमेरिका के अंदर भी ट्रंप की बात को कोई बहुत ज़्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों की राय का एक बढ़ता हुआ हिस्सा मानता है कि वह नेतन्याहू के सामरिक एजेंडा से प्रभावित हुए हैं और यह अमेरिका की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस इलाके में विस्तार के एक बड़े जायोनी नजरिए का हिस्सा है।ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि वह 30 मिनट के अंदर लड़ाई खत्म कर सकते हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नतीजा सिर्फ नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल से ही मुमकिन होगा। यह बयानबाजी बहुत चिंताजनक है, खासकर ऐसे नेता की तरफ से जिसे जल्दबाजी में काम करने वाला और अलग–अलग राय रखने वाला माना जाता है– जो अक्सर अचानक फैसले लेता है, अपने बयान बदलता है, और लंबे समय की कोई सही रणनीति नहीं दिखाता।लगभग तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद अमेरिका और इजरायल दोनों ही निराश दिख रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान कुछ ही दिनों में हार मान लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उम्मीदों के उलट, ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी–इजरायली हमले का विरोध किया है, बल्कि खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई भी की है। ईरान के एफ–35 जैसे अतिविकसित लड़ाकू विमान को गिराने की खबरों ने हैरानी और बढ़ा दी है– जिन्हें सिर्फ अमेरिका और इजरायल चलाते हैं। इसके अलावा, ईरान ने हिंद महासागर में 4,000 किलोमीटर दूरी तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें दागी हैं, जिससे उसके दुश्मन परेशान हैं। डिमोना नाभिकीय संयंत्र समेत संवेदनशील जगहों के पास हाल के हमलों ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है।यह युद्ध एक बार फिर इजरायली सरकार की मानवीय नियमों और अन्तरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाता है। बच्चों समेत आम लोगों को हमलों का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ा है, जबकि जरूरी अवसंरचना को सुनियोजित तरीके से नष्ट कर दिया गया है। गाजा में हुई तबाही और लेबनान में दुश्मनी का बढ़ना इस रूझान को और मजबूत करता है। साथ ही, खाड़ी देश अमेरिका के सुरक्षा भरोसे की कमियों को तेजी से पहचान रहे हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका भी बढ़ते अकेलेपन का सामना कर रहा है। नाटो ने कथित तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में शामिल होने से मना कर दिया है, जबकि यूरोपीय देश सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं। ट्रम्प ने इन देशों को श्कायरश कहकर उनकी बुराई की है, जिससे रिश्ते और खराब हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने उनके शामिल होने की संभावना पर ही सवाल उठाते हुए जवाब दिया है, यह देखते हुए कि अगर अमेरिका– अपनी जबरदस्त नौसैनिक शक्ति के साथ– जलडमरूमध्य को सुरक्षित नहीं रख सकता, तो छोटी यूरोपीय सेनाएं तो बेअसर हो जाएंगी। खतरा यह है कि तनाव और बढ़ सकता है। अगर ईरान इजरायल या पूरे इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जरूरी सामरिक हमला करने में कामयाब हो जाता है, तो अमेरिकी नेतृत्व में निराशा और बढ़ सकती है। ट्रंप के जल्दबाज स्वभाव को देखते हुए, इस बात की असली चिंता है कि वह नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल सहित बहुत ज़्यादा सख्त कदम उठा सकते हैं। इस खतरे को और बढ़ाने वाली बात मौजूदा अमेरिकी नेतृत्व की बनावट है, जिसमें अनुभवी राजनेता की कमी दिखती है और जो रणनीतिगत दूरदर्शिता के बजाय व्यापारिक सोच से ज़्यादा प्रेरित है। नेतन्याहू के राज में इजरायल एक बदमाश देश बन गया है। इजरायली विरासत मंत्री अमीचाईएलियाहू ने गाजा पर नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। यह उनकी सोच को दिखाता है जिसके अब बदलने की उम्मीद कम है, खासकर तब जब ईरान ने इजरायल में डिमोना नाभिकीय संयंत्र के पास हमला किया है।इस झगड़े के आर्थिक नतीजे दुनिया भर में पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो रहा है। भारत, जो ऊर्जा आयात पर बहुत ज़्यादा निर्भर है, खास तौर पर कमजोर है। मुश्किल के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, जिनमें बढ़ती कीमतों की वजह से आबादी के एक हिस्से के जलाने की लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर वापस लौटना भी शामिल है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो इससे बड़े पैमाने पर औद्योगिक बंदी हो सकती है, छोटे व्यवसाय बंद हो सकते हैं, और परिवहन प्रणाली में गंभीर रुकावटें आ सकती हैंकृजिसमें रेल, सड़क और हवाई यात्रा शामिल है। कई देशों के पास लंबे समय तक रुकावट झेलने के लिए तेल भंडार पर्याप्त नहीं हैं। रासायनिक खाद की कमी से दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को और खतरा हो सकता है। यह बेहद चिंता की बात है कि फिलहाल, कोई भी वैश्विक शक्ति इस संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रभावी मध्यस्थता करने में सक्षम नहीं दिख रही है। ब्रिक्स, जिसकी अध्यक्षता अभी भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, की विश्वसनीयता पर वैश्विक भू–राजनीति में सवाल उठने लगे हैंय खासकर, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले, उनके हाल ही में इजरायल दौरे के बाद। इससे यह धारणा बनी है कि भारत, अमेरिका–इजरायल गुट के साथ है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र को लगातार हाशिए पर धकेला जा रहा है, फिर भी यह एकमात्र ऐसी वैश्विक संस्था है जिसके पास हस्तक्षेप करने की वैधता है। यह बेहद जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, इजरायल और ईरान को शामिल करते हुए एक बाध्यकारी प्रस्ताव पर सहमति बनाने के लिए तत्काल कदम उठाएय जिसमें सभी पक्ष स्पष्ट रूप से यह वचन दें कि वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इस संदर्भ में, परमाणु हथियारों के शनिषेध पर संधिश (टीपीएनडब्ल्यू) का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। दुनिया को परमाणु हथियारों की होड़ से पैदा होने वाले गंभीर खतरों को पहचानना होगा, और एक ऐसी तबाही को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने होंगे जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। नागरिक समाज संगठनों को परमाणु युद्ध के मानवीय परिणामों को उजागर करने में और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस मुद्दे पर व्यापक शोध और अध्ययन सामग्री, श्इंटरनेशनल फिजिशियंस फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉरश द्वारा पहले ही तैयार की जा चुकी है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर–पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है। खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगेकृएथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन , तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ–साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना हैकृ चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं। कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है। वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोणकृ खेलेगा भारत तो खिलेगा भारतकृआज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके। ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं। इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें। जैसे–जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे–वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ीकृविशेषकर जनजातीय समुदायों सेकृअवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरुआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चौंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

नगर पालिका का सीमा विस्तार 8 नए वार्ड टैक्स के दायरे में, राजस्व बढ़ने की उम्मीद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में नगर पालिका परिषद ने अपने सीमा विस्तार के तहत शामिल किए गए आठ नए वार्डों को अब टैक्स के दायरे में ला दिया है। इन वार्डों के निवासियों से अब हाउस टैक्स के साथ–साथ पानी का टैक्स भी वसूला जाएगा। इससे पहले नगर पालिका के कुल 39 वार्डों में से केवल 31 वार्डों से ही राजस्व वसूली हो रही थी, लेकिन अब सभी वार्डों को कर व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। नए शामिल किए गए वार्डों में सैदनपुर, कलीचाबाद, चांदपुर, हरदीपुर, मीरपुर, देवचंदपुर, गंगापट्टी और डेरायूसुफ शामिल हैं। नगर पालिका द्वारा इन सभी वार्डों में सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान लगभग 26 हजार नए घरों को चिन्हित कर करधान प्रणाली में जोड़ा गया है। इसके साथ ही इन वार्डों के निवासियों को वर्ष 2022 से टैक्स देना अनिवार्य होगा। नगर पालिका परिषद का मुख्य फोकस अब राजस्व बढ़ाने पर है। पहले जहां पालिका को आय के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं वर्तमान में प्रतिदिन लगभग तीन से चार लाख रुपये का राजस्व वसूला जा रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि नए वार्डों से टैक्स वसूली शुरू होने के बाद इसमें और बढ़ोतरी होगी। राजस्व वसूली को प्रभावी बनाने के लिए कर निरीक्षकों को अलग–अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उनकी जवाबदेही भी तय की गई है। वहीं, जिलाधिकारी द्वारा भी राजस्व बढ़ाने को लेकर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं, जिनका जल्द ही पालन शुरू किया जाएगा। नगर पालिका का यह कदम शहर के विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।इस मामले में शुक्रवार को जानकारी लेने पर अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि इसी वर्ष अप्रैल से करो को वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दिया जाएगा।इसके बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी दे दिया गया है।

वासंतिक नवरात्र की नवमी पर मंदिरों में उमड़ी भीड़,शीतला चौकिया धाम और मैहर में श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वासंतिक नवरात्र की नवमी पर शुक्रवार को देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शीतला चौकिया धाम और मां शारदा पीठ मैहर मंदिर परमानतपुर में भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं को एक से दो घंटे इंतजार के बाद ही दर्शन मिल सके। मंदिरों में सप्तशती के श्लोक गूंज रहे थे, वहीं घट–घड़ियाल और शंख ध्वनि से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। नवरात्र के नौवे दिन महागौरी स्वरूप का पूजन किया गया। मां को कड़ाही चढ़ाने के साथ ही मुंडन आदि संस्कार भी संपन्न हुए। शीतला चौकिया धाम परिसर भोर से ही मां के जयकारों से गूंज उठा। सुबह साढ़े चार बजे मां के पट खुलते ही दर्शन के लिए लालायित श्रद्धालु उमड़ पड़े। सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग के समीप काली मंदिर और विसर्जन घाट स्थित नवदुर्गा मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालु उमड़ते रहे। सुजानगंज के देवी मंदिरों पर भी भारी संख्या में भक्तों ने पूजन–अर्चन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी दौरान प्रभु श्रीराम का भव्य जन्मोत्सव भी मनाया गया, जिसमें कन्याओं का पूजन किया गया। श्री मां शारदा शक्तिपीठ मैहर देवी मंदिर में नवरात्र के पावन अवसर पर परिसर भक्ति भाव से सराबोर दिखा। मंदिर ट्रस्ट द्वारा नवरात्र के दौरान प्रतिदिन प्रसाद स्वरूप हलवा वितरित किया गया। ट्रस्टी रविकांत जायसवाल ने इस व्यवस्था की देखरेख की।

राम नवमी पर आस्था का सैलाब समेत मंदिरों में उमड़ी भीड़, कन्या पूजन की रही धूम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आस्था के प्रमुख केंद्र शीतला चौकिया धाम सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को चैत्र राम नवमी हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां भगवती के सिद्धिदात्री स्वरूप का विधि–विधान से दर्शन–पूजन किया और घरों में कन्या पूजन का आयोजन किया। सुबह से ही मंदिरों और घरों में भक्ति का माहौल बना रहा। 2 से 10 वर्ष की कन्याओं को माता का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया। परंपरा के अनुसार भक्तों ने कन्याओं को आदरपूर्वक घर आमंत्रित कर आसन पर बैठाया, उनके पैर पखारे, कुमकुम–हल्दी का तिलक लगाया और कलाई पर मौली बांधी। इसके बाद उन्हें खीर, हलवा, पूरी, चने और मिठाई जैसे विशेष प्रसाद का भोजन कराया गया। शुभ मुहूर्त के अनुसार इस वर्ष सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक का समय कन्या पूजन के लिए विशेष फलदायी माना गया, जिसके दौरान अधिकांश परिवारों ने अपनी पूजा संपन्न की। भोजन के बाद कन्याओं को सामर्थ्य अनुसार उपहार और दक्षिणा देकर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी आस्था में लीन नजर आए। अपर जिलाधिकारी अजय अम्बस्त ने अपने परिवार के साथ शीतला चौकिया धाम पहुंचकर कन्या पूजन किया और उनके चरण पखारकर भोजन कराया। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और परिवार में सुख–समृद्धि, यश और कीर्ति का वास होता है। जनपद के विभिन्न मंदिरों में दिनभर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरा वातावरण माता के जयकारों से गूंजता रहा।

महिलाओं में वायरल होने की चाह घातक : बबीता

लखनऊ, (संवाददाता)। सोशल मीडिया के इस दौर में बहुत सी महिलाएं अश्लील वीडियो बना रही हैं। वायरल होने की उनकी यह चाह बेहद घातक साबित हो रही है। इससे वे खुद तो मुसीबत में फंसती हैं ही उनके परिजन भी परेशान होते है। महिलाओं को इससे बचना चाहिए। अमर उजाला कार्यालय में बुधवार को अपराजिता के तहत आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने ये बातें कहीं। बबीता सिंह ने कहा कि बिना महिलाओं के सशक्त हुए देश विकसित नहीं हो सकता। भारत को विकसित बनाने के लिए महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना जरूरी है। महिला सशक्तीकरण और सुरक्षा पर केंद्रित विशेष संवाद में आयोग की योजनाओं से लेकर रोजगार के अवसरों और कई मुद्दों पर चर्चा हुई। विभिन्न महिला संगठनों, संस्थाओं और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्षों ने नारी सशक्तीकरण पर राय रखी। इसके साथ ही अध्यक्षों की शिकायतों और सुझावों को सुना और उस पर काम करने की बात कही। अवसर पर आयोग तक शिकायतें पहुंचाने की प्रक्रिया भी समझाई गई। सरयू एन्क्लेव अवध विहार योजना में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मीना सिंह, भागीरथी एन्क्लेव अवध विहार योजना में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष डॉ. पूजा सिंह, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता, इनरव्हील क्लब–312 की सचिव पल्लवी, वीमेंस शाइन चौंबर ऑफ इंटरप्रेन्योरशिप की अध्यक्ष अपर्णा मिश्रा, फिक्की फ्लो लखनऊ चौप्टर की वाइसचेयर निवेदिता सिंह, एक पहल मुस्कान संस्था की अध्यक्ष डॉ. अंजू वार्ष्णेय, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की अध्यक्ष तृप्ता शर्मा, वीरांगना वाहिनी की सलोनी वर्मा, इनरव्हील क्लब अभ्युदय की अध्यक्ष मीनाक्षी सिंह, मां वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष पल्लवी सिंह, इनरव्हील क्लब वृंदावन–312 से सुमित्रा सिद्धार्थ, अवध लेडी क्लब की सचिव मनोरमा, एमरन फाउंडेशन की अध्यक्ष रेणुका टंडन, गुड़िया फाउंडेशन की अध्यक्ष रेशमा निगम, गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति की सदस्य शशि निगम और सुशील निगम।

सपा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला,2 लाख की आर्थिक सहायता सौंपी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित मल्हनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फूलपुर गांव में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के बाद समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने शुक्रवार को उनके घर पहुंचा। गांव निवासी ललई यादव की दबंगों द्वारा कथित रूप से पीट–पीटकर हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में मल्हनी के विधायक लकी यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सदर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, मल्हनी विधानसभा अध्यक्ष निजामुद्दीन सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया और अखिलेश यादव की ओर से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य, विधायक लकी यादव और पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने संयुक्त रूप से कहा कि समाजवादी पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी "पीडीए" (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के हर वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अखिलेश यादव पर किया पलटवार

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए का राग अलापने वाले सपाइयों को सच सुनने की आदत डालनी चाहिए। सपा का तथाकथित पीडीए सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। इसका मकसद सिर्फ एक परिवार के राजनीतिक हितों और वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाना है। दरअसल, अखिलेश ने एक्स पर लिखा था कि भाजपाइयों को सोते–जागते सिर्फ पीडीए ही सुनाई और दिखाई देता है। लोकसभा में हार की हताशा और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से ये पीडीए का नाम सुनते ही कांपने लगे हैं। इसी बयान पर पलटवार करते हुए चौधरी ने कहा कि बुलडोजर से डर उन्हें लगता है जिनका माफिया और दंगाइयों से नाता रहा है। यह गरीब की झोपड़ी पर नहीं, बल्कि सपा के पाले उन गुंडों और भू माफिया पर चल रहा है जिन्होंने वर्षों तक गरीबों का हक मारा और अवैध कब्जे किए। आज प्रदेश में कानून का राज है और अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है। यही सपा को चुभ रहा है। सपा के जंगलराज में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक ही सबसे ज्यादा प्रताड़ित हुए।

जौनपुर में 125 शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की तैयारी : पुलिस अधीक्षक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,27 मार्च । यूपी के जौनपुर में प्रशासन ने कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की है। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 125 लोगों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर सूची तैयार की जा रही है। जानकारी के अनुसार, उन लाइसेंसधारकों को चिन्हित किया जा रहा है जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं या जो किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। सभी थानों से ऐसे शस्त्रधारकों की रिपोर्ट मांगी गई है, जिन्होंने

लाइसेंस लेने से पहले या बाद में कानून का उल्लंघन किया है। जिले में लगभग 1500 शस्त्र लाइसेंसधारक हैं, जिनमें से संदिग्ध और नियमों का दुरुपयोग करने वालों पर प्रशासन की खास नजर है। इस संबंध में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर पुलिस ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने में जुटी है, जो बिना वैध कारण के हथियारों का प्रदर्शन करते हैं या आपराधिक घटनाओं से जुड़े हैं। एसपी ने बताया कि थानेवार सूची तैयार कर ली जा रही है और अब तक करीब सवा सौ लोगों की पहचान हो चुकी है। जल्द ही इनके लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी, जिससे जिले में कानून–व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

नवनिर्माण के 9 वर्ष प्रदेश के लिए उत्कर्ष का काल : योगेंद्र उपाध्याय

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं प्रभारी मंत्री कानपुर नगर योगेंद्र उपाध्याय ने कलेक्ट्रेट, कानपुर नगर के नवीन सभागार में 'उत्तर प्रदेश नवनिर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रदेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में सुशासन, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास का नया मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि यह कालखंड प्रदेश के लिए उत्कर्ष के वर्ष सिद्ध हुआ है, जिसमें गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव आया है।मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश में लागू शून्य सहनशीलता नीति के परिणामस्वरूप कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। वर्ष 2017 की तुलना में डकैती, लूट, हत्या एवं अपहरण जैसे अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। संगठित अपराध और माफिया तंत्र पर कठोर कार्रवाई करते हुए अवैध संपत्तियों की जब्ती और अपराधियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की गई है, जिससे प्रदेश में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ किया गया है। साइबर अपराध थानों की स्थापना, विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं का विस्तार तथा बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती से व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है। महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति, सहायता दूरभाष सेवाएं तथा महिला बीट पुलिसिंग जैसे कदमों से महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिला है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र बन चुका है। प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। तीव्रगामी मार्गों का जाल, हवाई अड्डों का विस्तार, रक्षा औद्योगिक गलियारा तथा डिजिटल संपर्क व्यवस्था ने प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बना दिया है। कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान सुनिश्चित किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से करोड़ों किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।कानपुर नगर के विकास पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक जनपद में लगभग 1503.89 करोड़ रुपये की लागत से 252 विकास परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं। आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवास निर्मित किए गए हैं, ।

संक्षिप्त खबरें

कौशल विकास मिशन में दो दिवसीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यशाला संपन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन कार्यालय में आधुनिक तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यशाला' का आयोजन किया गया। मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की।कार्यशाला के समापन अवसर पर मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक का प्रभावी उपयोग प्रशासनिक कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों को बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि आंकड़ा प्रबंधन, अभिलेख संधारण और प्रतिवेदन तैयार करने जैसे दैनिक कार्यों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से समय की बचत के साथ कार्यों की सटीकता भी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यशाला में सीखी गई तकनीकों को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करते हुए मिशन के लक्ष्यों को अधिक तेजी और दक्षता के साथ प्राप्त किया जाए।प्रशिक्षण सत्र के लिए विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश से आई विशेषज्ञों की टीम ने लगभग छह घंटे तक चले सत्रों में कर्मचारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराया। इस दौरान विभिन्न डिजिटल उपकरणों और संगणक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करते हुए बताया गया कि जटिल और समय लेने वाले कार्यों को किस प्रकार कम समय में प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है।

लोक एवं जनजातीय संस्कृति के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण समझौता संपन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोक एवं जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता संपन्न किया गया। यह समझौता उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ तथा स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के मध्य हुआ।इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस समझौते को प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस साझेदारी से उत्तर प्रदेश की लोक एवं जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।समझौते के माध्यम से दोनों संस्थाएं शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। इसके अंतर्गत लोक एवं जनजातीय कला, संस्कृति तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए संयुक्त कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सांस्कृतिक उत्सव तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।समझौते के तहत दोनों संस्थान सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने, शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों और कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के लिए मिलकर प्रयास करेंगे। साथ ही पारंपरिक कलाकारों एवं शिल्पकारों के कौशल विकास, अभिलेखीकरण तथा प्रचार–प्रसार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।यह समझौता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के आवास पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ के निदेशक अतुल द्विवेदी भी मौजूद रहे।

कौशल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में मुख्य भवन, उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ में विभागीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कौशल विकास की भूमिका और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।बैठक में एक निजी औद्योगिक तकनीकी संस्था के सहयोग से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के सशक्तिकरण, आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था तथा उद्योग आधारित कौशल विकास पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।इस अवसर पर एक परामर्शदात्री संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा भविष्य उन्मुख कौशल, नई तकनीकों तथा बदलते औद्योगिक परिदृश्य के अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि कौशल विकास को नई दिशा देकर युवाओं को सशक्त बनाना तथा उद्योगों के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीराम नवमी पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं, शांतिपूर्ण आयोजन के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम नवमी के मंगलमय अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का दिव्य जीवन सत्य, धर्म, त्याग, मर्यादा और करुणा सहित समस्त मानवीय मूल्यों का सर्वोच्च प्रतीक है। प्रभु श्रीराम का चरित्र न केवल व्यक्तिगत आचरण को दिशा देता है, बल्कि समाज और शासन व्यवस्था को भी न्याय, समरसता और उत्तरदायित्व की राह पर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का आदर्श कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, संयम और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और यही मूल्य रामराज्य की संकल्पना का आधार है।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम नवमी का यह पावन पर्व सनातन मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ते हुए लोकमंगल, सेवा और परोपकार के भाव को आत्मसात करने का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस अवसर पर प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें तथा समाज में सद्भाव, सौहार्द और परस्पर सहयोग की भावना को सुदृढ़ करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जनपदों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि श्रीराम नवमी के पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

टैलेंट को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा तो बनी यूपी की नई तस्वीर

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने यूपी के टैलेंट को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर और इंडस्ट्री के हब के रूप में स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर के एमएसएमई और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के सभी कार्य आज के दिन यूपी में हो रहे हैं। साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एग्रीटेक, फिनटेक, डीपटेक, हेल्थटेक, टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सरकार मेडिटेक और एग्रीटेक पर भी कार्य कर रही है। सीएम योगी बुधवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में 144 बेड के गर्ल्स हॉस्टल के भूमि पूजन व शिलान्यास एवं साइबर फॉरेंसिक रिसर्च लैब के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी में पुलिस के पास ग्रेड वन के सिर्फ दो फॉरेंसिक साइंस लैब थीं। आज यूपी में ग्रेड वन की 12 फॉरेंसिक साइंस लैब है, जबकि छह निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा सभी 75 जिलों में दो–दो मोबाइल फॉरेंसिक लैब हैं। मैन पावर की पूर्ति के लिए लखनऊ में पुलिस के लिए विश्वस्तरीय फॉरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट स्थापित हो चुका है। वहां फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए पाठ्यक्रमों की शुरुआत भी हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में प्रदेश में सिर्फ दो साइबर थाने थे। आज 75 जनपदों में साइबर थाने हैं। प्रदेश के 1681 थानों में एक साइबर हेल्प डेस्क भी है। प्रदेश के साइबर थानों ने साइबर अपराधियों से सैकड़ों करोड़ रुपये बचाने में सफलता प्राप्त की है। साइबर क्राइम से बचने, डीप फेक के मामलों को नियंत्रित करने, डॉक्यूमेंट को सुरक्षा प्रदान करने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं के स्केल, इनोवेशन को टेक्नोलॉजी से जोड़कर उसे मार्केट रेडी और इंडस्ट्री रेडी वर्कफोर्स में बदलने का काम किया है। यूपी भारत का कंज्यूमर स्टेट ही नहीं बल्कि डेमोग्राफिक डिविडेंड भी है। यहां के युवाओं को स्किल्ड करने के साथ ही इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा जा रहा है। आज 96 लाख एमएसएमई यूनिट यूपी के अंदर हैं। तीन करोड़ से अधिक लोग एमएसएमई यूनिट में काम कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी बनाने के लिए दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में वह जापान गए थे।

गैस सिलिंडर के लिए लग रही लंबी लाइन, होम डिलीवरी पर बढ़ाया जोर

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलिंडर की बढ़ती मांग के कारण एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता इस स्थिति से परेशान हैं। शहर के साथ ही खोराबार और जंगल कौड़िया क्षेत्र में भी लोग सिलिंडर लेने के लिए कठिनाई का सामना कर रहे हैं। इसी बीच एजेंसियों ने गोदाम पर सिलिंडर देने के साथ ही होम डिलीवरी व्यवस्था को तेज कर दिया है। अब लगभग 60 प्रतिशत से अधिक गैस सिलिंडर घर–घर पहुंचाए जा रहे हैं। इस व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं को सिलिंडर लेने में परेशानी न हो। बुधवार को सुबह से ही लोगों ने सिलिंडर लेने के लिए एजेंसियों का रुख कर दिया, जिससे कई स्थानों पर अव्यवस्था देखने को मिली। गोदामों पर भीड़ को नियंत्रित करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए होम डिलीवरी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एजेंसी संचालकों के अनुसार, बढ़ती मांग को देखते हुए डिलीवरी सिस्टम को मजबूत किया गया है और अतिरिक्त डिलीवरी बॉय तैनात किए गए हैं। वहीं, उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे भीड़ से बचें और होम डिलीवरी का विकल्प अपनाएं, ताकि सभी को समय पर गैस उपलब्ध कराई जा सके। इसके बावजूद कई उपभोक्ता तुरंत सिलिंडर पाने के लिए एजेंसियों का रुख कर रहे हैं, जिससे वहां भीड़ कम नहीं हो पा रही है। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गैस सिलिंडर की आपूर्ति भरपूर हो रही है। एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं ।

फ्लाई इन होटल के संचालक समेत चार आरोपियों की खुली हिस्ट्रीशीट, थाने पर जाकर देनी होगी हाजिरी

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर थाना क्षेत्र में हुक्का बार में देह व्यापार के मामले में फ्लाई इन होटल के संचालक अनुराग सिंह समेत चार आरोपियों की पुलिस ने 'बी' श्रेणी की हिस्ट्रीशीट खोल दी है। अब इनकी हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। अनुराग सिंह के अलावा तीन अन्य आरोपियों में बेतियाहाता चौकी के पास दुकानदार की पिटाई के आरोपी रमन सिंह, कुड़ाघाट में जुआ खेलवाने के मामले में जेल जा चुके रजत अग्रहरी उर्फ कल्लन और जालसाजी के आरोपी सत्यवान यादव शामिल हैं। शाहपुर थाना क्षेत्र के फ्लाई इन होटल में संचालित जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट और हुक्का बार में देह व्यापार का खुलासा पुलिस ने किया था। जांच में पता चला कि होटल संचालक अनुराग सिंह अपने साथियों के साथ देह व्यापार का गिरोह चला रहा था। अनुराग सिंह मूल रूप से देवरिया का रहने वाला है और वर्तमान में गीता वाटिका, शाहपुर में रहता है। उसके खिलाफ हत्या की कोशिश, मारपीट, गैंगस्टर एक्ट, पोक्सो एक्ट और अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वर्ष 2025 में बेतियाहाता चौकी के पास डोसा दुकानदार की पिटाई के मामले में आरोपी रमन सिंह की भी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। आरोप है कि उसने पुलिसकर्मियों के सामने दुकानदार को पीटा और घर ले जाकर बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी और गैंगस्टर एक्ट के मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ चोरी, लूट, मारपीट, जुआ अधिनियम और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। वहीं, शाहपुर थाना क्षेत्र के जंगल हकीम नंबर–2 निवासी सत्यवान यादव के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और एससी/एसटी एक्ट समेत कई प्राथमिकी दर्ज हैं।

एजेंसी पर ताला देख भड़के उपभोक्तओं ने लगाया जाम

उन्नाव, (संवाददाता)। कस्बे की भारत गैस एजेंसी में सिलिंडर लेने पहुंचे उपभोक्ता कार्यालय में बंद ताला और लोड न आने का लेटर चस्पा देख आक्रोशित हो गए। बुधवार की सुबह साढ़े छह बजे पुरवा–मौरावां रोड पर जाम लगा दिया। करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा। सूचना पर नायब तहसीलदार पहुंचे और लोगों को सिलिंडर समस्या दूर कराने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। कस्बे में भारत गैस के उपभोक्ताओं को सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है। लगातार एजेंसी के चक्कर लगाने के बाद भी मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। बुधवार को सिलिंडर मिलने की उम्मीद में काफी संख्या में उपभोक्ता सुबह छह बजे ही एजेंसी कार्यालय पहुंच गए। धीरे–धीरे भीड़ बढ़ने लगी। इसके बाद भी एजेंसी का ताला नहीं खुला। इसी बीच उपभोक्ताओं की नजर कार्यालय दीवार पर चस्पा लेटर पर पड़ी, जिसमें लोड न आने से एजेंसी बंद होने की बात लिखी थी। यह देख उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया और आक्रोशित लोग सिलिंडर लेकर सामने पुरवा–मौरावां रोड पर आ गए और वाहनों को रोकने लगे। कुछ ही देर में उपभोक्ताओं ने दोनों तरफ की गाड़ियां रोककर यातायात रोक दिया और जाम लगा दिया। इससे कुछ ही देर में दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी व कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश यादव पहुंचे। दोनों ने उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं और समाधान कराने का आश्वासन देकर किसी तरह से लोगों को शांत कराया। इसके बाद उपभोक्ता रोड से हटना शुरू हुआ। पांच मिनट बाद वाहनों से रेंगना शुरू किया। एजेंसी के बाहर मौजूद उपभोक्ता कई दिनों से सिलिंडर के लिए दौड़ लगाने के बाद भी गैस न मिलने से परेशान थे। उपभोक्ताओं में सुरेश, लक्ष्मी, शिव कुमार, देवकी, धर्मेंद्र व विनोद ने बताया कि गैस सिलिंडर लेने आए थे लेकिन एजेंसी बंद थी। पिछले कई दिनों से गैस नहीं मिल पा रही है। गैस एजेंसी संचालक विजय कुमार ने बताया कि लोड न आ रहा है। इसी कारण वितरण नहीं हो पा रहा है। जैसे ही लोड आएगा, वैसे ही उपभोक्ताओं को सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा। वर्जन...बुधवार को भारत गैस एजेंसी में सिलिंडर का लोड ही नहीं आया था। इसकी संचालक द्वारा पर्ची चस्पा करा दी गई थी। संभवतरू बृहस्पतिवार को लोड आने की उम्मीद है। इसके बाद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी। –नीरज चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार पुरवा। गैस की किल्लत से अब सड़क किनारे होटल व ढाबे भी प्रभावित होने लगे हैं। कुछ ने तो कॉमर्शियल सिलिंडर न मिलने से ढाबा बंद कर दिया है तो कुछ कोयला का प्रयोग करके किसी तरह से संचालन में लगे हैं। उन्नाव–लालगंज हाईवे पर कुरमापुर के पास चल रहे एक ढाबा के संचालक प्रद्युम्न ने बताया कि कॉमर्शियल सिलिंडर तो पूरी तरह से बंद चल रहे हैं। कोयला का प्रयोग शुरू किया है लेकिन वह भी काफी महंगा पड़ रहा है। किसी तरह से संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा हाईवे पर एक अन्य ढाबे में तो ताला पड़ गया है।

शहर बनेगा स्मार्ट... सड़कें चकाचक, पेयजल और नागरिक सेवाएं होंगी बेहतर

उन्नाव, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार की ओर से शुरू की गई 'नवयुग पालिका योजना' में उन्नाव नगर पालिका को भी शामिल किया है। योजना से उन्नाव शहर के विकास और सुंदरीकरण का काम कराने के लिए 12 करोड़ रुपये का बजट मिलेगा। प्रदेश सरकार ने अधिक आबादी वाली नगर पालिकाओं को नगर निगम की तर्ज पर विकसित और शहरी सुविधाओं युक्त बनाने के लिए 'नवयुग पालिका योजना' शुरू की है। योजना में उन्नाव नगर पालिका को डेढ़ लाख से अधिक आबादी वाली 24 नगर पालिकाओं की श्रेणी एक में शामिल किया गया है। योजना से मिलने वाले बजट के माध्यम से शहर में सड़क, जल निकासी, थीम पार्क, पशु जन्म नियंत्रण केंद्र, ईवी चार्जिंग सेंटर, मार्ग प्रकाश व्यवस्था जैसे काम कराए जाएंगे। प्रमुख चौराहों, तिराहों और स्मारकों का भी सुंदरीकरण होगा। खेल सुविधाएं, डिजिटल लाइब्रेरी और कूड़ा निस्तारण केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। सबसे खास बात यह है कि इस योजना के माध्यम से पालिका का कंप्यूटरीकरण करते हुए एआई तकनीक से भी लैस किया जाएगा। शहर के लोग अपने वार्ड और क्षेत्र की समस्याओं के लिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे। नगर पालिका को उनका तय समय में निस्तारण करना होगा। निवास, जन्म, कर, पंजीकरण आदि सेवाओं का ऑनलाइन आवेदन और क्रियान्वयन होगा। उन्नाव शहर का विकास ही प्राथमिकता रही है। सरकार ने उन्नाव शहर को 'नवयुग पालिका योजना' में शामिल किया है इससे सर्वांगीण विकास हो सकेगा। इसमें सड़कों का चौड़ीकरण, सीसीटीवी, मार्ग प्रकाश, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी सहित शहरी सुविधाओं का विकास कराया जाएगा उत्तर प्रदेश शासन से योजना को स्वीकृति मिल गई है।

शरारती तत्वों ने खंडित की देवी प्रतिमा

उन्नाव, (संवाददाता)। इब्राहिमबाग में बने मंदिर में मंगलवार की रात वैष्णो माता की मूर्ति खंडित कर सड़क पर फेंक दी गई। बुधवार की सुबह श्रद्धालुओं ने मूर्ति गायब देखी तो आक्रोशित हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। खंडित मूर्ति गंगा में विसर्जित कराई और कानपुर से नई मूर्ति मंगाकर स्थापित कराई। दही थाना क्षेत्र के इब्राहिमबाग निवासी रामचरन प्रजापति ने घर के पास छोटा मंदिर बनवाया था। इसमें 15 साल पहले मां वैष्णो की मूर्ति स्थापित की थी।

शरारती तत्वों ने माहौल बिगाड़ने के लिए मूर्ति खंडित कर सड़क पर फेंक दी। ग्रामीणों ने नवरात्र में हुई इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। पुरवा विधायक से भी शिकायत की है। ग्रामीणों में चर्चा भी रही कि पुलिस ने जल्दबाजी में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराए बिना ही स्थापना करा दी। दही थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि रामचरन की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास में 62 हजार को पक्की छत का इंतजार

उन्नाव, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 62 हजार लोगों को पक्की छत का इंतजार है। इन लोगों ने पिछले साल आवास के लिए आवेदन किया था। अधिकारियों को अगले माह तक बजट जारी होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार इस योजना में पात्रों को पक्का घर बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपये अनुदान देती है। वर्ष 2011 की सूची के लाभार्थियों को वर्ष 2024 में आवास मिल चुके थे। नई सूची के लिए दिसंबर 2024 में आवेदन शुरू हुए थे। वर्ष 2025 में 87 हजार 529 लोगों ने पक्के आवास के लिए आवेदन किए। पहली बार सत्यापन के लिए एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। एआई ने आवेदन के समय खींची गई फोटो से सत्यापन किया। पक्की ईंट दिखने पर 25 हजार 529 आवेदन निरस्त कर दिए गए। इसके बाद सूची में 62 हजार आवेदन शेष बचे। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह ने बताया कि अप्रैल से शुरू हो रहे अगले वित्तीय वर्ष में बजट मिलने की उम्मीद है। तीन किस्तों में दी जाती है राशिप्रधानमंत्री ग्रामीण आवास में लाभार्थियों को एक लाख 20 हजार रुपये तीन किस्तों में दिए जाते हैं। प्रत्येक किस्त 40 हजार रुपये की होती है। इसके अतिरिक्त शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये मिलते हैं। 90 दिन की मनरेगा मजदूरी भी प्रदान की जाती है।

कच्ची कोठरी का आया डेढ़ साल में 45 हजार बिल

उन्नाव, (संवाददाता)। विद्युत उपखंड कार्यालय पर लगे समस्या समाधान शिविर में पहुंचे उपभोक्ता ने कच्ची कोठरी का डेढ़ साल में 45 हजार रुपये बिजली बिल आने की शिकायत दर्ज कराई। एक्सईएन ने एसडीओ को बिल सही करने के निर्देश दिए। सातन निवासी नफीस ने शिकायतीपत्र में बताया कि उसका डेढ़ साल का 45 हजार रुपये बकाया बिल दिखाते हुए नोटिस दिया गया है जबकि घर के नाम पर केवल एक कच्ची कोठरी है। विधायक आशुतोष शुक्ला ने अधिशाषी अभियंता विमल कुमार से तत्काल समस्या समाधान की बात कही। मगरायर निवासी ज्ञान प्रकाश शुक्ला ने बताया कि ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन किया था लेकिन अधिकारी टाल रहे हैं। एक्सईएन ने एसडीओ से नाराजगी जताई और जल्द कनेक्शन देने के निर्देश दिए। छेदाखेड़ा पकरा बुजुर्ग में लंबे समय से पोल टूटने की शिकायत पर विधायक ने एक्सईएन को तुरंत खंभा लगवाने के निर्देश दिए। नगर पंचायत बीघापुर निवासी मिथिलेश गुप्ता ने बिल संशोधन के लिए लगातार अधिकारियों द्वारा टरकाने की शिकायत की। विधायक ने कहा कि सभी शिकायतों का जल्द निस्तारण कराया जाए। एक्सईएन ने बताया कि ओटीएस में पंजीकरण कराने के बाद भी 3117 उपभोक्ताओं ने अभी तक अपनी शेष बकाया धनराशि जमा नहीं की है। ऐसे उपभोक्ताओं के 31 मार्च तक धनराशि जमा न करने पर कनेक्शन काट दिए जाएंगे। इस मौके पर गोकुल बाबा के अधिशाषी अभियंता भरत गौतम, एसडीओ पीसी यादव, सुधीर श्रीवास्तव, लाला तिवारी, रजन्ना मिश्रा, सुयस पांडे व प्रभात कुमार शुक्ला आदि रहे। समाधान शिविर में पहुंचे अधिशाषी अभियंता विमल कुमार ने परिसर में गंदगी देखकर नाराजगी जताई।

'महिला सुरक्षा को लेकर सुलतानपुर में "रन फॉर इम्पावरमेंट" का आयोजन, मिशन शक्ति टीम ने किया जागरूक'

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

'सुलतानपुर । 27 मार्च 2026 उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित "मिशन शक्ति कार्यक्रम" फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत मिशन शक्ति नारी सशक्तिकरण के तहत राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन में श्री मान पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी बल्दीराय श्री आशुतोष कुमार व मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक

राजदेव म0 का0 नीतू यादव म0 का0 सोनाली सिंह के द्वारा जंगली नाथन मंदिर में महिलाओं व बालिकाओं को हेल्फ लाइन नम्बर 1090, 181, 112, 108 व 1930 साइबर हेल्फ लाइन नम्बर व अन्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दिनांक 27ध्03ध्2026 को दी गई

इलाज के दौरान आरक्षी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र के मढहा निवासी आरक्षी कपिल दूबे (35) की मौत से पूरे क्षेत्र और पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मढहा गांव निवासी कपिल दूबे सीतापुर जिले के तंबौर थाने की दलपतपुर

चौकी पर तैनात थे। उनके बड़े भाई राजकुमार दुबे ने बताया कि 21 मार्च को अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर लखनऊ के पीजीआई में रेफर किया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। शुक्रवार को उनका शव पैतृक गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ सिटी सौरभ सामंत और थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और पुलिस टीम के साथ शव को कंधा देकर अंतिम विदाई दी। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं।

वरिष्ठ समाजसेविका एवं सफल बिजनेस वूमेन गीता गुप्ता की टीम ने किया 201 कन्याओं का पूजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले महर्षि यूनिवर्सिटी, आईआईएम रोड, लखनऊ में नवरात्रि की सप्तमी तिथि के पावन अवसर पर 101 कन्याओं के पूजन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं सामाजिक समर्पण के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन की राष्ट्रीय स्तर की टीम का भी गठन किया गया तथा विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री गीता गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्रीमती पारुल मोहन त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सर्वेश पाठक ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि कन्याएं हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जो भविष्य में देश एवं समाज का नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री हरि मोहन त्रिपाठी, श्री गोपाल सिंह सिकरवार, श्री वीरेंद्र पांडे, श्री रोड मिश्रा, सोनू अवस्थी एवं डॉ. वाहिद सहित सभी सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष उल्लेखनीय है कि प्रारंभ में 101 कन्याओं के पूजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, किंतु जनसमर्थन एवं उत्साह को देखते हुए कुल 201 कन्याओं का पूजन सम्पन्न किया गया, जिससे कार्यक्रम और भी भव्य एवं सफल रहा। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल द्वारा हरि मोहन त्रिपाठी एवं गोपाल सिंह सिकरवार सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।